Jesus and Mary Magdalene:
Did they have a secret marriage?

यीशु और मरियम मगदलीनी

क्या उन्होंने गुप्त विवाह कर रखा था?

श्रीमती यीशु

क्या इतिहास 2000 वर्षों से दोषयुक्त रहा है ..... क्या कोई श्रीमती यीशु मसीह थीं? ''द जीसस फैमिली टूम्ब'' (डिस्कवरी चैनल का टी0वी0 वृत्तचित्र) में निर्देशक सिमका जेकबोविसी ऐसा दावा करते हैं कि कुछ ऐसे ''प्रमाण'' हैं कि निश्चित रूप से यीशु और मरियम मगदलीनी विवाहित थे और उनके यहूदा नामक एक पुत्र था।

(यह देखने के लिये कि विद्वान जेकबोविसी के ''प्रमाण'' के विषय में क्या कहते हैं देखें, ''द जीसस फैमिली टूम्ब'' नामक लेख।)

जेकबोविसी का पहला व्यक्ति नहीं है जिसने यीशु और मरियम के मध्य एक सम्भव प्रणय सम्बन्धी सम्बन्ध को काल्पनिक आधार मानते हुए बिना प्रमाणों के स्वीकार कर लिया है। फिल्म 'द लास्ट टेम्पटेशन ऑफ क्राइस्ट' और पुस्तकें जैसे कि 'होली ब्लड', 'होली ग्रेल' और 'द डा विन्सी कोड' ने भी यीशु और मरियम के गुप्त सम्बन्ध को अपने विषयों का केन्द्रबिन्दु बनाया है।

द डा विन्सी कोड प्रासंगिक रूप से ऐसे तथ्यों के साथ आरम्भ होती है जो इस काल्पनिक उपन्यास को अपने समस्त तार्किक मतों सहित इसे एक सच के रूप में उजागर करते हैं। इस पुस्तक ने न्यूयॉर्क टाइम्स की सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तकों की सूची के समस्त रिकॉर्डस् ध्वस्त कर डाले हैं और टिकट खिड़की पर धमाका करने वाली फिल्मों की दौड़ में शामिल हो चुकी है। लेखक डैन ब्राउन का तथ्यों को चतुराईपूर्वक कल्पना के साथ मिश्रित कर के ताना बुनने ने बहुत सारे पाठको को तार्किक रूप से यह मानने पर विवश कर दिया है कि यीशु और मरियम मगदलीनी निश्चित रूप से विवाहित थे और उनके एक पुत्र था रद्देखें ''मोना लिसाज़ स्मिर्क'' (मोनालिसा की कटु मुस्कान), परन्तु क्या प्रणय सम्बन्धी यह दावा मात्र पुस्तकों की बिक्री और फिल्मों का विज्ञापनरूपी धुँआधार प्रचार है या फिर आधार प्रदान करने वाले इसके ऐतिहासिक प्रमाण मौजूद हैं।

रहस्यमयी मरियम

इससे पहले कि हम यीशु और मरियम मगदलीनी के मध्य किसी प्रकार के सम्भव प्रणय के प्रमाणों की जाँच–पड़ताल करें, आइये हम गलील के छोटे से कस्बे मगदला की इस व्यक्ति (स्त्री) मरियम के भीतर झांकें। शुरूआत करने के लिये हम प्रश्न पूछते हैं कि वे कौन से प्राचीन अभिलेख हैं जो उसके चरित्र और नासरत के यीशु के साथ उसके सम्बन्धों पर रोशनी डालते हैं?

मगदला की मरियम के विषय में सर्वाधिक प्राचीन लिखित प्रमाण नये नियम के सुसमाचार हैं। सुसमाचारों में मरियम को एक ऐसी स्त्री के रूप में दर्शाया गया है जिसे यीशु ने दुष्टात्माओं के कब्जे से छुड़ाया था। सुसमाचार (मत्ती, मरकुस, लूका और यूहन्ना) मरियम को यीशु की ऐसी शिष्या के रूप में प्रस्तुत करते हैं जो उनकी शिक्षाओं को सुनती थी, उनकी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति करती थी, उनके क्रूस पर चढ़ाये जाने की गवाही देने वाली थी और तीन दिन पश्चात् उन्हें जीवित देखने वाली पहली गवाह थी।

कुछ लोगों ने ऐसा कहा है कि मरियम मगदलीनी एक वेश्या थी, परन्तु न तो प्रेरित न ही आरम्भिक कलीसिया उसके विषय में इससे अधिक बताते हैं कि वह यीशु के प्रिय शिष्यों में से एक थी। यह विचार की वो एक वेश्या थी छठी शताब्दी में उत्पन्न हुआ जब पोप ग्रेगरी प्रथम ने उसकी पहचान उन दोनों स्त्रियों जिसके विषय में लूका 7:37 में बताया गया है और वह स्त्री जिसने अपने बालों से यीशु के पांव धोए के रूप में सुनिश्चित की।

यद्यपि पोप का विचार संभवतः इस तथ्य से प्रभावित था कि यीशु ने उसके भीतर से सात दुष्टात्माओं को बाहर निकाला था, परंतु बाइबिल का कोई भी विद्वान मरियम मगदलीनी का सम्बन्ध लूका के अध्याय में वर्णित स्त्री से स्थापित करने में सक्षम नहीं रहा है। इसके साथ ही नये नियम के सुसमाचार ऐसा कोई संकेत भी नहीं देते हैं कि यीशु और मरियम के मध्य कोई प्रणय अथवा शारीरिक संसर्ग के आकर्षण का सम्बन्ध था।

तो साजिश भरे सिद्धान्तों के रचने वालों के मनों में यह विचार कहाँ से आया? क्यों ये सारी निराधार परिकल्पनाएं मौजूद हैं? इसके लिये हम उन अभिलेखों की ओर रूख करेंगे जो नये नियम के सुसमाचारों के 100–200 वर्षों पश्चात् एक गैर मसीही समुदाय जिन्हें रहस्यवादी कहते हैं [देखें '' नॉस्टिक गॉस्पल्स्'' (रहस्यवादी सुसमाचार), के द्वारा लिखे गये। ये लेखनियाँ नये नियम का अंश नहीं हैं और इन्हें आरम्भिक मसीहियों द्वारा पाखण्डपूर्ण कहकर नकार दिया गया था। वे लोग जो यीशु और मरियम के मध्य प्रणय सम्बन्ध के विषय में लिखते हैं, उन लेखनियों में से दो लेखनियों मरियम का सुसमाचार और फिलिप्पुस का सुसमाचार के कुछ अनुच्छेदों का उद्धरण बयान करते हैं। आइये उन अनुच्छेदों पर दृष्टि करें।

मरियम (मगदलीनी) का सुसमाचार

यह मत कि मरियम मगदलीनी यीशु के लिये अहम थी प्राथमिक रूप से मरियम के सुसमाचार से लिया गया है। यह रहस्यवादी सुसमाचार नये नियम का अंश नहीं है और इसे एक अज्ञात लेखक द्वारा दूसरी शताब्दी के मध्यान्तर के अंतिम वर्षों में अथवा यीशु की मृत्यु के लगभग डेढ़ सौ वर्षों पश्चात् लिखा गया। मरियम सहित कोई भी चश्मदीद गवाह उस समय जीवित न रहा होगा जब इसे लिखा गया (लगभग 150ई0)। इतने विलम्बित समयकाल का अर्थ है कि मरियम का सुसमाचार यीशु के किसी भी चश्मदीद गवाह द्वारा न लिखा जा सका होगा और कोई नहीं जानता कि इसे किसने लिखा था।

मरियम के सुसमाचार में एक पद मरियम मगदलीनी को यीशु की प्रिय शिष्या के रूप में इंगित करता है, यह कहकर वह मरियम को ''हम से अधिक'' (जिसका अर्थ है उनके शिष्य) प्रेम करते थे।'' एक दूसरे पद में संभवतः पतरस द्वारा मरियम को कहा गया, ''बहन, हम जानते हैं कि उद्धारकर्त्ता आपको किसी अन्य स्त्री से अधिक प्रेम करते हैं।'' तब भी मरियम के सुसमाचार में ऐसा कुछ भी नहीं लिखा है जो मरियम मगदलीनी और यीशु के मध्य किसी प्रणय सम्बन्धी अथवा शारीरिक संसर्ग के आकर्षण सम्बन्धी सम्बन्ध के विषय में बात करता हो।

फिलिप्पुस का सुसमाचार

द डा विन्सी कोड अपने इस दावे कि यीशु और मरियम विवाहित थे और उनके एक पुत्र था प्राथमिक रूप से फिलिप्पुस के रहस्यवादी सुसमाचार के एकमात्र पद पर आधारित है जो संकेत करता है कि यीशु और मरियम ''जीवनसाथी'' थे। यह पद इस प्रकार से पढ़ा जाता है :(कोष्ठक वहाँ पर दर्शाये गए हैं जहाँ पर अभिलेख के शब्द लुप्त हैं अथवा अपठनीय हैं)

''तीन स्त्रियाँ सदैव स्वामी के संग चला–फिरा करतीं थीं : उनकी माँ मरियम, रू , बहन और मगदला की मरियम जिसे उनकी जीवनसाथिनी (कोईनोनोज़) कहा जाता था। ''मरियम'' नामक नाम उनकी बहन, उनकी माँ और उनकी जीवनसाथिनी (कोईनोनोज़) के लिये प्रयोग किया गया है।''

द डा विन्सी कोड में, काल्पनिक उपन्यासों के विशेषज्ञ श्रीमान् लेह टीबिंग स्वीकार करते हैं कि जीवनसाथिनी के लिये शब्द (कोईनोनोज़) का अर्थ पत्नी भी हो सकता था। परन्तु विद्वानों के अनुसार, वह एक विकृत अनुवाद है। शुरू करने के लिये, इब्रानी भाषा के नये नियम में सामान्य रूप से पत्नी के लिये जो शब्द प्रयोग किया गया है वह ''कोईनोनोज़'' नहीं है बल्कि ''गने'' है। बेन विर्थरिंगटन–तृतीय ने 'बिबलिकल आर्कियोलॉजिकल रिव्यू' में लिखते समय इस मुख्य बिन्दु पर ध्यान केन्द्रित किया है :

''एक और अन्य इब्रानी शब्द, गने था जो इस बात को स्पष्ट करने योग्य रहा होगा। यह अधिक सुग्राह्य बात है कि कोईनोनोज़ का यहाँ पर आत्मिक रूप से अर्थ ''बहन'' है क्योंकि इसी रीति से इसका प्रयोग इस तरह के साहित्य में अन्य स्थानों पर किया गया है। किसी भी दशा में, यह प्रसंग स्पष्ट रूप से नहीं कहता यहाँ तक कि राय भी नहीं देता है कि यीशु विवाहित थे, मरियम मगदलीनी से तो कम ही सम्भावना है कि विवाहित थे।''[1]

एक और एकमात्र पद फिलिप्पुस के सुसमाचार में है जो कहता है कि यीशु ने मरियम का चुम्बन लिया था।

'' [ ] की जीवनसाथिनी मगदला की मरियम है। [ ] उसे चेलों से कहीं अधिक [ ]] [ ] अक्सर उसका चुम्बन लेता था। दूसरे [ ] उससे कहा, ''हम सब से अधिक प्रेम तू उसे क्यों करता है?''

चुम्बन लेकर मित्रों को शुभकामनाएं देना प्रथम शताब्दी में एक साधारण सी बात थी और इसका शारीरिक संसर्ग के आकर्षण से कोई सम्बन्ध नहीं था। प्रोफेसर कैरेन किंग अपनी पुस्तक मगदला की मरियम का सुसमाचार में व्याख्या करती हैं कि फिलिप्पुस में जो चुम्बन है प्रायः वह संगति के चाल–चलन में शुद्ध चुम्बन का प्रतीक है।

परन्तु शायद अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि फिलिप्पुस का सुसमाचार एक अज्ञात लेखक द्वारा नये नियम के चश्मदीद गवाहों के वृत्तान्तों के लगभग 200 वर्षों पश्चात् लिखा गया। [देखें ''इज़ द न्यू टेस्टामेन्ट रिलायबल'' (क्या नया नियम विश्वासयोग्य है?) और ''मोना लिसाज़ स्मिर्क'' (मोनालिसा की कटु मुस्कान)]।

यह बात भी ध्यान देने के लिये महत्वपूर्ण है कि इन कुछेक प्रश्नात्मक अध्यायों के अतिरिक्त, कोई भी दूसरा ऐसा ऐतिहासिक अभिलेख नहीं है जो यहाँ तक कि अप्रत्यक्ष रूप से भी संकेत करे कि यीशु और मरियम मगदलीनी के मध्य प्रणय सम्बन्ध थे। कोई भी सांसारिक इतिहासकार, यहूदी इतिहासकार अथवा आरम्भिक मसीही इतिहासकार ऐसा नहीं है जो इस तरह के सम्बन्ध के विषय में कण–मात्र भी लिखता हो और चूंकि मरियम का सुसमाचार और फिलिप्पुस का सुसमाचार दोनों अज्ञात लेखकों द्वारा मसीह के 100–220 वर्षों पश्चात् लिखे गये तो उनके द्वारा यीशु और मरियम के विषय में बयान किये गये कथनों का मूल्यांकन दोनों के समकालीन इतिहास और काफी पहले लिखे गये नये नियम सम्बंधी अभिलेखों का संदर्भ देते हुए किये जाने की आवश्यकता है।

विद्वानों का निर्णय

परन्तु क्या आरम्भिक कलीसियाएं यीशु के इतिहास को पुनः लिखने के अपने प्रयासों में प्रमाणों को नष्ट करने वाली हो सकीं? वास्तव में यही वह बात है जो जेकोबोविसी, ब्राउन और दूसरे अन्य सनसनीखेज उपन्यासों के मेज़बान लेखक कह रहे हैं परन्तु क्या विद्वान जन इस पर सहमत हैं?

न्यूज़वीक पत्रिका का एक लेख अहम विद्वानों के मतों का साररूप प्रस्तुत करते हुए सतही रूप से बयान करता है कि यीशु और मरियम मगदलीनी विवाहित थे, इस मत का कोई ऐतिहासिक आधार नहीं है।[2] शायद रहस्यवादियों ने यह महसूस किया होगा कि नया नियम प्रणय के विषय में थोड़ा शर्मीला है और उन्होंने इसे थोड़ा मिर्च–मसाला लगा कर प्रस्तुत करने का निश्चय किया। जो भी कारण रहा हो, यह पृथक किये जा चुके और गुमनाम पद जो मसीह से 100–200 वर्षों पश्चात् लिखे गये इतने पर्याप्त नहीं है कि किसी साज़िश भरे सिद्धान्त को इनके द्वारा आधार प्रदान किया जा सके।

परन्तु कुछ लोग अभी भी सहमत नहीं हैं। शायद वे इतिहास को मात्र और अधिक रोचक बनाना चाहते हैं। पुरस्कृत टी0वी0 पत्रकार फ्रैंक सेसनो ने इतिहासकार विद्वानों के एक दल से साज़िश भरे सिद्धान्तों के प्रति लोगों में आकर्षण के विषय में पूछा। विसकॉन्सिन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर स्टेनली कट्लर ने उत्तर दिया, ''हम सब रहस्यों से लगाव रखते हैं – परन्तु हम साज़िशों से अधिक लगाव रखते हैं।''[3]

सम्भवतः यीशु और मरियम के विषय में किये गये समस्त धुँआधार प्रचारों को उन मसीहियों को दयालु बनाने का प्रयास करते हुए जो बहुत ही शुरूआत से ''परमेश्वर'' कहते आ रहे हैं, विरोधी मसीहियों के साथ और कड़े रूख अपनाने की आवश्यकता है। ख्इस बारे में और अधिक जानकारी के लिये कि आरम्भिक मसीहियों का दृष्टिकोण यीशु के प्रति कैसा था, देखें ''मोना लिसाज़ स्मिर्क'' (मोनालिसा की कटु मुस्कान), उदाहरण के लिये, पौलुस प्रेरित ने यीशु मसीह के विषय में कहाः

''जिस ने परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा। वरन अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया, और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया।'' (फिलिप्पियों 2 :6, 7 अ)

एक चश्मदीद गवाह और यीशु के सबसे प्रिय शिष्य, यूहन्ना ने उसके विषय में कहा है,

''आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेशवर था .... सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ ...... और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया।'' (यूहन्ना 1 : 1–3, 14 के अंश)

अनुसूची

1. बेन विर्थरिंगटन, 'बिबलिकल आर्कियोलॉजिकल रिव्यू, (2004), ''रिव्यूज़,'' 30 ख्3, :58–61, मई/जून

2. बारबरा केन्ट्रोविज़ और एनी अंडरवुड, ''डिकोडिंग 'द डा विन्सी कोड',' न्यूज़वीक, दिसम्बर 8, 2003, 54

3. स्टेनली कट्लर, फ्रैंक सेसनो के साथ साक्षात्कार, ''द गिल्टी मेन् : एन हिस्टॉरिकल रिव्यू,'' हिस्ट्री चैनल, अप्रैल 6, 2004